प्राइवेट अस्पतालों के डॉक्टर बोले-कुछ घंटे बची है शिवम की जिंदगी, एमबी के डॉक्टरों ने बचा लिया

सतना, जबलपुर, बिडला में भी इलाज कराया लेकिन नहीं हुआ सुधार, वापस आकर एमबी में किया भर्ती

हेल्थ रिपोर्टर | उदयपुर

दुर्घटना में घायल एक युवक को निजी अस्पताल के डॉक्टरों ने महज 2 घंटे बचने की बात कहकर परिजनों की चिंता बढ़ा दी लेकिन एमबी हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने उस युवक को बचा लिया। 4 माह पहले नाथद्वारा में हुई सड़क दुर्घटना में शिवम शर्मा के सिर में गंभीर चोटें आई थीं। उसे लावारिस स्थिति में पुलिस ने एमबी हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। दूसरे दिन एमपी के सतना से शिवम के परिजन उदयपुर पहुंचे। शिवम की मां कृष्णा शर्मा ने बताया कि एमबी में न्यूरोसर्जरी विभाग के एचओडी डॉ. तरुण गुप्ता की टीम ने शिवम का ऑपरेशन किया। यहां कुछ दिन भर्ती रखने के बाद परिजन शिवम को एमपी के निजी हॉस्पिटल दिखाने ले गए। सतना, जबलपुर और बिडला के बड़े निजी हॉस्पिटल में शिवम का इलाज कराया। एक लाख रुपए एम्बुलेंस और 4 लाख रुपए इलाज में खर्च हुए। कई निजी हॉस्पिटलों में परिजन उसे लेकर गए और इलाज कराया लेकिन शिवम की जिंदगी की गारंटी किसी ने नहीं ली। एक निजी हॉस्पिटल में परिजनों को यहां तक बोल दिया कि शिवम दो घंटे से ज्यादा नहीं जी पाएगा। जिसके बाद परेशान परिजन शिवम को वापस एमबी हॉस्पिटल लेकर आए और इलाज शुरू कराया। शिवम अभी न्यूरोसर्जरी विभाग के कॉटेज में भर्ती है। वह स्वस्थ है लेकिन याददाश्त फिलहाल कमजोर है। दो दिन बाद न्यूरोसर्जरी विभाग में शिवम का ऑपरेशन होगा। शिवम की मां कृष्णा शर्मा ने बताया कि शिवम अहमदाबाद में फैशन डिजाइनिंग का कोर्स कर रहा है। वह टू-व्हीलर पर अहमदाबाद से दिल्ली जा रहा था। रास्ते में नाथद्वारा रोड पर उसका एक्सीडेंट हो गया था।

उदयपुर। न्यूरोसर्जरी के कोटेज वार्ड में भर्ती शिवम और उनके परिजन।